CS (Main) Exam, 2020

URC-B-MTLI

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : ***तीन घंटे***	*अधिकतम अंक :* **250**
Time Allowed : ***Three Hours***	*Maximum Marks :* **250**

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

एतय दू ***खण्ड (SECTION)*** *मे विभक्त कुल* ***आठ*** *प्रश्न अछि ।*

अभ्यर्थी कुल ***पाँच*** *प्रश्नक उत्तर देथि ।*

प्रश्न संख्या ***1*** *तथा प्रश्न संख्या* ***5*** *अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो* ***तीन*** *प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक* ***खण्ड (SECTION)*** *सँ कमसँ कम* ***एक*** *प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर ***मैथिली*** *(देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशत: लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in* ***TWO SECTIONS.***

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining, any* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in ***MAITHILI*** *(Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) आवश्यकताक अनेक महारथीक प्रहार
सहि-सहि कऽ जीवन-अभिमन्यु लेल पराभूत
इच्छाक उत्तरा विधवा भऽ गेलि
आ भविष्यक परीक्षित गर्भस्थ औना रहल
दुःशासन-जीविकाक हाथेँ सखि, द्रौपदीक
चीर जकाँ, विरहक दिन बढ़ले अछि जा रहल । *10*

(b) "देवी, विषम-विषमय नागिनि हिअ मोर
दंशल, अछि सन्तप्त विकल मम-प्राण,
औषध विषक ओएह, विष अछि जग एक,
पुनि-पुनि नागिनि-दँशहिँ बाँचत प्राण ।
नागिनि थिक तुअ पोसल दूध पिआए ।"
व्यङ्गक-कथा सुनि अनुजक विस्मित-चित्त । *10*

(c) कतहु शारदा पुस्तक-हस्ता राजित वीणा पाणि ।
गणपति प्रतिमा वर अंकुश कर लिखइछ अर्थ प्रमाणि ।।
सुर-पूजित वाचस्पति बाँचथि कतहु रीति मद वेद ।
कतहु भार्गवी विद्या सिखबथि शुक्र नीति कत भेद ।।
कतहु व्यास-बाल्मीकिक प्रतिमा गोतम कपिल कणाद ।
भरइछ अन्तेवासिक चितमे शुभ प्रेरणा प्रसाद ।। *10*

(d) अनुखन माधव माधव सुमिरिते ।
सुन्दरि भेल मधाई ।
ओ निज भाव सभावहि विसरल
आपन गुन लुबुधाई ।।
माधव, अपरूप तो हारि सिनेह ।
अपने विरह अपन तनु जर-जर
जिबइते भेल सन्देह ।। *10*

(e) नारायण अवतार राम त्रेता मे हयता ।
पिता-वचन सह-बन्धु जानकी सङ्गहि जयता ।।
माया-सीता ततय मूढ़ दशकन्धर हरता ।
बालि मारि सुग्रीव सङ्ग प्रभु मैत्री करता ।।
अहाँ काँ तनिकर दूत कपि; मारि मुका विकला करत ।
कहलनि विधि शुनु लङ्किनी, तरवन बुझव रावण मरत ।। 10

Q2. (a) "दत्त-वती" अपन चिन्तनशीलताक कारणेँ एक प्रकारक राजनीतिक महाकाव्य थिक, जाहिमे दार्शनिकता ओ आध्यात्मिकताक काव्यात्मक अभिव्यक्ति भेल अछि — पठित अंशक आधार पर स्पष्ट करू । 20

(b) महाकवि मनबोधक "कृष्ण जन्म" मैथिली काव्य साहित्यक एकटा क्रान्तिकारी रचना थिक, से भाव बोधक दृष्टियेँ सेहो आ काव्य शिल्पक दृष्टियेँ सेहो' — कृष्ण जन्मक आधार पर एहि उक्तिक विश्लेषण करू । 15

(c) समसामयिकता, व्यंग्य प्रहार, छन्द विधान तथा मैथिलीक आत्मामे डूबल शब्द योजना यात्री जीक अपन विशेषता थिक – चित्राक आधार पर एहि उक्तिक विवेचन करू । 15

Q3. (a) कथावस्तुक संतुलित विकास, मार्मिक काव्यात्मकता, छन्दक वैविध्य तथा लोक भाषाक चमत्कारिक प्रयोग "मिथिला भाषा रामायण"क वैशिष्ट्य थिक' — पठित अंशक आधार पर विवेचन करू । 20

(b) "रमेश्वर चरित मिथिला रामायण" मध्य सीताक चरित्रक प्रधानता अछि' — पठित अंशक आधार पर मूल्यांकन करू । 15

(c) मानवीय सम्वेदना, रागात्मिका वृति, कल्पनाक सूक्ष्मता तथा अभिव्यक्तिक चमत्कार विद्यापतिक काव्यक अंन्यतम विशेषता थिक' — 'गीत शती'क पठित अंशक आधार पर विश्लेषण करू । 15

Q4. (a) गोविन्ददासक प्रसंग "रसना रोचन श्रवण विलास"क गर्वोक्ति सार्थक ओ प्रासंगिक अछि — "गोविन्द दास भजनावली"क पठित अंशक आधार पर विवेचन करू । 20

(b) "कीचक बध" मे प्राचीन ओ नवीन रीति शैलीक अद्भुत सामंजस्य तथा समन्वयन भेल अछि — एहि उक्तिक सार्थकताकेँ प्रमाणित करू । 15

(c) जीवनक प्रति स्वागत-भाव आधुनिक कविताक स्थायी भाव थिक — "समकालीन मैथिली कविता"क आधार पर विश्लेषण करू । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** ***10×5=50***

(a) कामदेवक नगर अइसन शरीर । निष्कलङ्क चान्द अइसन मुह । कन्दल खञ्जरीट अइसन लोचन । यमुनाक तरङ्ग अइसन भञुह । साँकरक शलाका अइसन नाक । सोनाक सीप अइसन कान । अन्धकार-लता अइसन विरनी । पाकल विंव अइसन अधर । सहजेँ दालिव फुटल अइसन दान्त । कामदेवक पाश अइसन वाह । *10*

(b) पौरुष ककरोसँ उधार नहि लेल जा सकैछ, अपने पौरुष काज दैत छैक अपना । जहिया बाबू कुंवर सिंह अंग्रेजक विरुद्ध तरूआरि उठौलनि, चर्चिल अन्तिम बेर प्रधानमंत्रित्व स्वीकार कयलनि, राजाजी नवपाढी'कैँ जन्म देलनि, कतेक वयस धलनि ? विजय-पराजयक चिन्ता करब कापुरुषक जिम्मा । वीरताक वास्तविक साक्षी होइत अछि ओ भूमि जतय लड़ाइ लड़ल जाइन छैक । *10*

(c) जेँ आइ सभ नवयुवकक लक्ष्य नोकरियेटा भऽ गेलैए, तेँ सभ तरि निराशाक वातावरण बनिगेल छैक । चाही ई जे नोकरियोकेँ एक साधन बूझल जाय । जेनाई संसार अनन्त अछि, तहिना साधनो असीमित छैक । मोनकेँ एके खुटासँ बन्हने रहब मनुकरवक मर्यादाकेँ ओ ओकर सामर्थ्यकेँ अपमान करब थिक । *10*

(d) निम्न मध्यम वर्गक व्यक्ति छी, ऐश्वर्य आविलासक स्वप्न सभदिन साहित्य आ दर्शनसँ पूर होइत रहल अछि । अलेक्जेंडर ड्यूमाक उपन्याससँ सामन्ती जीवन व्यवस्थाक आनन्द भेटल अछि, शरच्चन्द्रक उपन्याससँ राजलक्ष्मी आ सावित्री आ किरणमयी आ वन्दना आ कमल सन नारीक संगतिक आनन्द ! वास्तविक जीवनमे एहन आनन्द कत'पायब ? राजलक्ष्मी सन नारीक सिनेह कत'भेटत ? *10*

(e) केहन फुलायल रहै बेनी पहिने, इजोरिया सन । मुँह क गोरका चक्का थलकमल सन विहुँसै । छोट-छोट आँखि उल्लासेँ चक-चक करैत । ओहिमे सदति काकु-व्यंग्य आ बाल-सुलभ चंचलता भरल । से एतबे दिनमे जेगा गहन लागि गेल होइक । शोक सन्हिया गेलै । जेना तरे-तर जरि-पजरिक' सुड्डाह भेल जाइत हो । मुँह झामर, आँखि धसल-सुन्न । भरिदिन हेरायल – भोतिआयल सन । *10*

Q6. (a) राजकमल मैथिली कथाक शब्द-शब्दमे नवीनता ओ प्रयोग धर्मिताक अद्‌भुत सामंजस्य अछि, जेहने भाव-वस्तुमे, तेहने अभिव्यक्ति शैलीमे – "कृति राजकमलक" आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू । *20*

(b) "लोरिक विजय" सामाजिक संघर्षक अभिलेख थिक" — एहि उक्तिक सार्थकता सिद्ध करू । *15*

(c) पठित अंशक आधार पर "वर्णरत्नाकर"क नामकरणक औचित्यक मूल्यांकन करू । *15*

Q7. (a) हरिमोहन झा व्यंग्यकें विधाक मान्यता प्रदान कर बैत, दार्शनिक चिन्तनक संगहि लेखकीय पाण्डित्यक परिचय देबामे पूर्ण सफल भेल छथि — "खट्टर ककाक तरंग"क आलोकमे एहि कथन पर विचार करू । *20*

(b) नाट्य तत्वक निकष पर "भफाइत चाहक जिनगी" नाटकक मूल्यांकन करू । *15*

(c) मैथिली कथा साहित्य मध्य 'ललित' – 'राजकमल' ओ 'मायानन्द' त्रीमूर्तिक रूपमे स्थापित छथि – सयुक्ति विवेचन करू । *15*

Q8. (a) ''ललित' नवीन शिल्प शैलीमे, सामाजिक जीवनक ठोस धरातल पर यथार्थवादी उपन्यास "पृथ्वी पुत्र"क रचना कऽ एकटा युगान्तर उपस्थित कयलनि अछि' — सयुक्ति विवेचन करू । *20*

(b) 'मैथिली कथा साहित्यमे योगानन्द झाक "आम खयबाक मुँह" कथाक विशिष्ट स्थान अछि' — स्पष्ट करू । *15*

(c) खट्टर कका स्वच्छन्द चिन्तन ओ बुद्धि विलासक प्रतीक थिकाह — एहि उक्तिकें पल्लवित करू । *15*